केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परी...

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनु... सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, ... नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था ... की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक ... एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक ... निर्धारित मुद्रा
राजे... (शिक्षक) शास.हा... चौदार पंजी. क्र. - 13311 मो.नं.- 8319605769	रोज़लीन ...ार (प्रा.शि.) शा. कन्या. उ.मा. विद्या. बिजरी परीक्षक क्रमांक

②

पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 2 के अंक   कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र - 01   [सत्य / असत्य]

(i) असत्य ।

(ii) असत्य ।

(iii) असत्य ।

(iv) सत्य ।

(v) सत्य ।

(vi) सत्य ।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. -02 [मिलान]

(i) संगतकार → (v) मंगलेश डबराल

(ii) छंद के प्रकार → (iii) 2

(iii) बिस्मिल्ला खाँ → (ii) शहनाई वादक

(iv) गले का हार होना → (vi) बहुत प्यारा

(v) संधि के प्रकार → (iv) 3

(vi) बालम खीरा → (i) लखनऊ

BSE

योग पूर्व पृष्ठ 12 + 6 = 18 कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र॰ - 03 [एक वाक्य में उत्तर]

(i) फागुन मास (वसंत ऋतु) की आभा घट नहीं रही है।

(ii) प्रबंध काव्य के दो भेद होते हैं। (1) महाकाव्य (2) खण्डकाव्य।

(iii) नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा कस्बे के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर लगवा दी गई।

(iv) "काला ~~अक्षर~~ अक्षर भैंस बराबर" का अर्थ है - 'अनपढ़ होना'।

(v) बाबू जी 'रामनामा बही' में एक हजार बार राम नाम लिखते थे।

(vi) "साना-साना हाथ जोड़ि" के आधार पर पहाड़ी कुत्ते चाँदनी रात में भौंकते हैं।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.- 04 [सही विकल्प]

(i) (ब) सूरदास

(ii) (ब) फसल को

(iii) (ब) उत्साह

(iv) (स) हर पंद्रहवें दिन

(v) (ब) 3

(vi) (अ) मणि

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. - 05 (रिक्त स्थान)

(i) सहस्त्रबाहु

(ii) महाकाव्य

(iii) 10

(iv) साठ के ऊपर

(v) जीने की इच्छा

(vi) अज्ञेय

BSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र॰-05 (अथवा)

मूर्ति पर लगा सरकंडे का चश्मा यह उम्मीद जगाता है कि देशभक्ति की भावना अभी भी लोगों के भीतर जीवित है। भावी पीढ़ी इस धरोहर को संभाले हुए हैं।

BSE

प्रश्नोत्तर क्र॰ - 07

भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर शोक व मातम न मनाकर उसके शव को आँगन में सफ़ेद कपड़े से ढँककर सिरहाने एक दिया जला दिया, कुछ फूल की पंखुड़ियाँ और तुलसी बिखेर दिए और कबीर के पद गाने लगे। अपनी पुत्रवधु को भी समझाते कि यह समय शोक मनाने का नहीं अपितु उत्सव मनाने का है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. - 08 [अथवा]

मन्नू भंडारी का लेखक परिचय निम्नलिखित है -

(i) दो रचनाएँ - 'आपका बंटी', 'महाभोज'।

(ii) भाषा - मन्नू भंडारी जी की भाषा खड़ी बोली है। उन्होंने तत्सम, तद्भव, विदेशी तथा देशज शब्दों का आवश्यकता अनुसार उपयोग किया है। मुहावरों एवं लोकोक्तियों के प्रयोग से भाषा में चमत्कार आ गया है।

शैली - मन्नू भंडारी ने भाव के अनुरूप शैली का उपयोग किया है। उन्होंने भावात्मक, विचारात्मक, चित्रात्मक, आदि शैलियों का प्रयोग किया है।

BSE

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 9 के अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. - 09

(i) जिसके आने की तिथि पता न हो → अतिथि

(ii) जो सब कुछ जानता हो → सर्वज्ञ

प्रश्नोत्तर क्र. - 10

जब किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु होती है जब उसके आत्मा के शांति के लिए शहर से दूर किसी पवित्र स्थान पर 108 श्वेत पताकाएँ फहराई जाती हैं, ये शांति और अहिंसा का प्रतीक हैं। किसी नए कार्य के आरंभ में श्वेत पताकाएँ फहराई जाती हैं, ये शुभारंभ का प्रतीक हैं।

P.T.O.

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र० - 11

प्रगतिवाद की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

~~(i) प्रगतिवादी काव्य में नवीन जीवन मूल्यों, आदर्शों तथा मान्यताओं~~

(i) प्रगतिवाद के काव्यों में शोषितों के प्रति तथा नारी के प्रति सहानुभूति व्यक्त है।

(ii) प्रगतिवादी काव्य में रूढ़ियों का विरोध किया गया है।

प्रश्नोत्तर क्र० - 12

'सूरदास' की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

(i) दो रचनाएँ - 'सूरसागर', 'साहित्य - लहरी'।

(ii) भावपक्ष - (1) वात्सल्य वर्णन - सूरदास ने वात्सल्य रस के दो पक्षों ~~का~~ संयोग तथा वियोग का प्रयोग किया है।

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 11

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) भक्ति भावना - सूरदास श्रीकृष्ण के उच्चकोटि के भक्त थे। उनके काव्यों में श्रीकृष्ण के सभी रूपों का वर्णन मिलता है।

प्रश्नोत्तर क्र. - 13 [अथवा]

फसल उपजाने के लिए निम्नलिखित तत्व आवश्यक होते हैं -

(i) जल
(ii) मिट्टी
(iii) हवा
(iv) प्रकाश या सूर्य का तेज

P.T.O.

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र० - 14

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर राम के स्वभाव की विशेषताएँ निम्लिखित हैं-

(i) राम विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्होंने स्वयं को 'दास' कहकर संबोधित किया है।

(ii) राम शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्होंने परशुराम के प्रश्नों का उत्तर क्रोधपूर्वक न देकर शांति से दिया है।

प्रश्नोत्तर क्र० - 15 [अथवा]

अतिश्योक्ति अलंकार :- "जब किसी काव्य में किसी बात का वर्णन अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर किया जाए जो वास्तव में संभव नहीं है वहाँ 'अतिश्योक्ति अलंकार' विद्यमान होता है।"

उदा.- "आगे नदियाँ पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।।"

योग पूर्व पृष्ठ

अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र॰ - 16 (अथवा)

दोहा छंद :-

"दोहा एक अर्द्ध सममात्रिक छंद है। इस प्रथम एवं तृतीय चरणों में 13-13 मात्राएँ तथा द्वितीय तथ एवं चतुर्थ चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं।"

उदा॰ -

मेरी भव बाधा हरौ, - प्रथम चरण
SS II SS IS =13
राधा नागरि सोय। - द्वितीय चरण
SS SII SI = 11
जा तन की झांई परै, - तृतीय चरण
S II S SS IS = 13
श्याम हरित दुति होय।। - चतुर्थ चरण
SI III II SI = 11.

P.T.O.

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्नोत्तर क्र०-17

आत्मकथा और जीवनी में अंतर निम्नलिखित है-

आत्मकथा	जीवनी
(1) आत्मकथा में स्वयं के जीवन का चित्रण होता है।	(1) जीवनी में लेखक किसी अन्य महापुरुष के जीवन का अंकन करता है।
(2) आत्मकथा में चिंतन की गहराई होती है।	(2) जीवनी में तथ्यों के प्रमाण पर ध्यान रहता है।
उदा.- मेरा जीवन प्रवाह (वियोगी हरि)	उदा.- कलम का सिपाही (अमृतराय)

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र- 14

गद्यांश :- "बार ...

... ढूँढ़ती है।"

~~प्रसंग~~ संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारे हिंदी पाठ्यपुस्तक 'क्षितिज भाग-II' के गद्य खंड के 'नेताजी का चश्मा' नामक पाठ से संकलित है। इसके लेखक 'स्वयं प्रकाश' जी हैं।

प्रसंग - प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ~~देशभक्त~~ देशभक्तों का उपहास करने वाले लोगों पर कटाक्ष कस रहे हैं।

व्याख्या - प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ~~कहते~~ सोचते हैं कि ~~जो~~ लोग उन व्यक्तियों का उपहास करते हैं जो देश के लिए अपनी ~~जिंम~~ जिंदगी, घर, जवानी, सब कुछ त्याग देते हैं। ~~वह~~ लेखक सोचते हैं कि अगर उन व्यक्तियों का स्वभाव ऐसा ही रहा तो उनका भविष्य क्या होगा ?। ये लोग अपनी स्वार्थ की सिद्धि के लिए तो कुछ भी करने को तैयार हैं, अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए ये लोग हमेशा बिकते ही रहते हैं।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

विशेष- (1) देश प्रेम को उच्च माना गया है।
(2) साहित्यिक भाषा का उपयोग किया गया है।
(3) विचारात्मक शैली का प्रयोग है।

प्रश्नोत्तर क्र.-19 (अथवा)

"कम्प्यूटर का उपयोग" के संबंध में ~~शिक्षक~~ शिक्षक और छात्र के मध्य संवाद :-

छात्र- सुप्रभात शिक्षक!

शिक्षक- सुप्रभात बच्चा! कहाँ जा रहे हो?

छात्र- गुरुजी! मैं कम्प्यूटर की कक्षा में जा रहा हूँ।

शिक्षक- अरे वाह! तो मैं सवाल पूँछता हूँ कि ~~क~~ आधुनिक कम्प्यूटर का आविष्कार किसने किया?

छात्र- हाँ गुरुजी इसका उत्तर तो आपने कल ही बताया था, आधुनिक कम्प्यूटर का आविष्कार चार्ल्स बेबेज ने किया था।

प्रश्न क्र.

शिक्षक- बहुत अच्छे! तुम्हें तो याद है।

छात्र- पर गुरूजी, यह उपयोग कहाँ होता है?

शिक्षक- कम्प्यूटर का उपयोग तो हर क्षेत्र में होता है, यहाँ तक की शिक्षा के ~~क्षे~~ क्षेत्र में भी होता है।

छात्र- क्या कम्प्यूटर का उपयोग कारखानों में भी होता है?

शिक्षक- हाँ, कम्प्यूटर का उपयोग मशीनों को संचालित करने के लिए किया जाता है। कम्प्यूटर का उपयोग तो बैंक में, अंतरिक्ष विभाग में, कृषि में और विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है।

छात्र- धन्यवाद गुरूजी! मैं इन जानकारियों को हमेशा याद रखूँगा। अब मैं चलता हूँ, मुझे कम्प्यूटर की कक्षा में जाना है।

शिक्षक- ठीक है! ~~अच्छ~~ अच्छे से सीखना।

B S E

18 [ ] + [ ] = [ ]

पृष्ठ 10 का ... कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. - 20

पद्यांश - नाथ ...
... मोरा ।।

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारे हिन्दी पाठ्यपुस्तक 'क्षितिज भाग - II' के पद्य खण्ड के 'राम - लक्ष्मण - परशुराम संवाद' नामक पाठ से संकलित है। इसके कवि 'तुलसीदास' जी हैं।

प्रसंग - प्रस्तुत ~~पद्य~~ पद्यांश में परशुराम और राम के मध्य के संवाद का वर्णन है।

व्याख्या - प्रस्तुत पद्यांश में कवि कहते हैं कि ~~तब~~ जब शिवधनुष टूट गया था तथा परशुराम क्रोधित थे तब राम जी परशुराम से कहते हैं कि हे नाथ। शिव जी के धनुष को तोड़ने वाला आपका ही कोई एक दास होगा। आपकी जो भी आज्ञा है आप मुझसे कहिए। यह सुनकर परशुराम क्रोधित होकर बोले - हे राम! सेवक वह होता है जो सेवक का कार्य करता है, शत्रु का काम करने वाले के साथ तो लड़ाई ही करनी चाहिए।

B
S
E

19

प्रश्न क्र.

हे राम। ध्यान से सुन लो:- जिसने भी इस शिव धनुष को तोड़ा है, वह सहस्त्रबाहु के समान मेरा शत्रु है।

काव्य सौन्दर्य- (1) शुद्ध अवधी भाषा का प्रयोग है।

(2) 'सहसबाहु सम सो रिपु मोरा' में अनुप्रास अलंकार तथा उपमा अलंकार है।

(3) 'अरिकरनी करि करिअ लराई' में अनुप्रास अलंकार है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.- 20 21

सेवा में,

श्रीमान् नगरपालिका अधिकारी महोदय

निवास, जिला - सिंगरौली (म.प्र.)।

विषय- वार्ड में व्याप्त गंदगी को दू करवाने हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है, कि मैं आपका ध्यान निवास वार्ड की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। निवास वार्ड में गन्दगी बहुत अधिक मात्रा में है। नालियाँ उफान कर रही हैं। वार्ड में कई कूड़े के ढेर पड़े हुए हैं। बदबू के कारण साँस लेना दूभर हो गया है। रात में मच्छरों का इतना प्रकोप है कि सोना कठिन हो गया है।

अतः आपसे विनती है कि आप अ निगरानी में वार्ड में व्याप्त गंदगी को दूर करवाने का ष्ट करें।

धन्यवाद

प्रार्थी

प्रज्ञा जायसवाल

दिनांक - 27/02/2025

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. - 22

(i) "पर्यावरण प्रदूषण"

* रूपरेखा -

(1) प्रस्तावना
(2) पर्यावरण प्रदूषण से अभिप्राय
(3) पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार
(4) प्रदूषण के रोकथाम के उपाय
(5) उपसंहार

"सागर सूख रहे हैं, जंगल जल रहे हैं, क्या हम सच में आगे बढ़ रहे हैं"

(1) प्रस्तावना :-

पर्यावरण प्रदूषण आज के समय में मुख्य चिंता का विषय है। पर्यावरण लगातार प्रदूषित होता जा रहा है। लोगों को साँस लेना भी दूभर हो गया है। मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए इस विषय को अनदेखा कर रहा है।

(2) पर्यावरण प्रदूषण से अभिप्राय :-

पर्यावरण प्रदूषण का अभिप्राय है कि जल, वायु, पृथ्वी में जैविक, रसायनिक तथा भौतिक गुणों में अवांछनीय दोष उत्पन्न होना।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(3) पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार:-

प्रदूषण मुख्यत: तीन रूपों में पाया जाता है- (i) वायु प्रदूषण (ii) जल प्रदूषण (iii) ध्वनि प्रदूषण।

(i) वायु प्रदूषण - वायु प्रदूषण के कई कारण हैं, जैसे - कारखानों से निकलने वाला काला धुआँ तथा वाहनों से निकलने वाला धुआँ वातावरण को प्रदूषित करता है।

(ii) जल प्रदूषण - कारखानों से निकाला हुआ दूषित जल नदियों में जाकर उसके जल को ~~विषाक्त~~ ~~जल~~ जहरीला बना देता है। जिसके कारण जल में रहने वाले जीवों का जीवन संकट ~~के~~ में आ गया है।

(iii) ध्वनि प्रदूषण - भवन निर्माण तथा अन्य मशीनी गतिविधियों से कर्णभेदी ध्वनि के कारण से मनुष्यों में ~~मानसिक~~ मानसिक ~~रोग~~ रोग उत्पन्न हो रहे हैं।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(4) प्रदूषण के रोकथाम के उपाय :- अतः हमें प्रदूषण को रोकने की महती आवश्यकता है।

हमें बिजली से चलने वाले वाहनों तथा सामूहिक वाहनों का ~~स~~ उपयोग करना चाहिए। वृक्षारोपण पृथ्वी की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ~~क~~ कारखानों से निकलने वाले जल को साफ़ करके ही नदियों में मिलाना चाहिए।

(5) उपसंहार :- यह पृथ्वी हमारा घर है, जिसे साफ़ एवं सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। हमें मिलकर इस विषय ~~क~~ पर ध्यान देना आवश्यक है। हम सबको सबको मिलकर इस धरती को पहले की तरह सुंदर ~~क~~ बनाना है।

"पेड़ लगाएँ, पर्यावरण सजाएँ,
धरती को स्वर्ग बनाएँ।"

P.T.O.

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र॰ - 23

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक है - "मन की एकाग्रता"।

(ii) उत्कृष्ट पद की प्राप्ति के लिए एकाग्र मन से पढ़कर परीक्षा में उच्चतम श्रेणी प्राप्त करना आवश्यक है।

(iii) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश-

"मन की एकाग्रता की समस्या सनातन है। छात्र के अध्ययन के समय में उसके मन में अनेक विचार आते हैं परन्तु उच्च पद की प्राप्ति के लिए एकाग्र मन से पढ़कर परीक्षा में उच्चतम श्रेणी प्राप्त करना आवश्यक है। लेकिन पढ़ते समय में मस्ती के विचार से भटकाव होता है और यह विचलन बुद्धि की एकाग्रता को भंग कर देता है।"